अध्याय 9

मुहावरे

मुहावरा वो वाक्यांश है, जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर विशिष्ट, विलक्षण तथा लाक्षणिक अर्थ देता है। जो शब्द-समूह या पदबन्ध अपने शाब्दिक अर्थ से भिन्न अर्थ प्रकट करता है, वह 'मुहावरा' कहलाता है। मुहावरों का स्वतन्त्र रूप से प्रयोग नहीं होता, बल्कि वाक्य के साथ ही प्रयुक्त होकर ये उचित अर्थ दे सकते हैं। वाक्य में मुहावरे के प्रयोग से भाषा आकर्षक हो जाती है। मुहावरों के प्रयोग से भाषा में सरलता, सरसता तथा चमत्कारपूर्ण प्रवाह उत्पन्न होता है। 'मुहावरा' भाषा की समृद्धि तथा सांस्कृतिक विस्तार का प्रतीक है। इससे भाषिक परिदृश्य के सामाजिक-सांस्कृतिक सम्बन्धों का पता चलता है। मुहावरों में युगीन चेतना के आधार पर परिवर्तन भी होता रहता है।

'मुहावरा' कम-से-कम दो शब्दों से बना है। ये शब्द विशेषण, संज्ञा अथवा क्रिया हो सकते हैं।

जैसे—चिकना घड़ा (यहाँ 'चिकना' विशेषण तथा 'घड़ा' संज्ञा शब्द है।); आँखों में रात काटना (यहाँ 'आँख' संज्ञा तथा 'काटना' क्रिया है।)

मुहावरा एक सिद्ध और रूढ़ इकाई होता है। शब्दों के हेर-फेर से मुहावरे का अर्थ असहज हो जाता है और वह मुहावरा नहीं रह जाता।

मुहावरे, उनके अर्थ तथा वाक्य-प्रयोग

1. **अंक भरना** (आलिंगन करना)—माता ने अपने पुत्र को अंक में भर लिया।
2. **अंग-अंग खिलना** (प्रसन्न हो जाना)—विदेश प्रवास से घर आने पर रमेश का अंग-अंग खिल उठा था।
3. **अँगूठा दिखाना** (समय पर इनकार कर देना)—राम ने सहायता का वादा किया था, पर आज उसने अँगूठा दिखा दिया।
4. **अंगूर खट्टे होना** (प्राप्त न होने वाली वस्तु को बेकार मानना)—पहले तो राजीव नौकरी के लिए हाय-तौबा मचाता था, अब जब नौकरी नहीं मिली, तो कहता है कि नौकरी अच्छी नहीं थी अर्थात् अंगूर खट्टे हैं।
5. **अन्धे की लाठी** (एकमात्र सहारा)—परेशानी की हालत में उसने मेरी सहायता अन्धे की लाठी के समान की।
6. **अन्धे के हाथ बटेर लगना** (बिना प्रयास का लाभ)—लॉटरी क्या लगी, रमेश घमण्डी हो गया है। क्यों न हो, अन्धे के हाथ बटेर जो लगी है।
7. **अँधेरे में रखना** (भेद छिपाना)—उसने अन्तर्जातीय प्रेम-विवाह किया, लेकिन मुझे अँधेरे में ही रखा।
8. **अन्धों में काना राजा** (अयोग्य लोगों के बीच कम योग्यता वाला भी बहुत योग्य माना जाता है)—ग्रामीण विद्यालय में पढ़ने वाला रामू थोड़ी-बहुत अंग्रेजी जानता है, जिस कारण सभी उसे तेज विद्यार्थी मानते हैं। वह अन्धों में काना राजा बना हुआ है।
9. **अक्ल पर पर्दा पड़ना** (समझ न आना)—एक ही सवाल को तुम्हें कितनी बार समझाऊँ? तुम्हारी अक्ल पर तो पर्दा पड़ा हुआ है।
10. **अपना उल्लू सीधा करना** (अपना मतलब निकालना)— आजकल के राजनेता जनता की नहीं सोचते, वे अपना उल्लू सीधा करने में लगे रहते हैं।
11. **अपना-सा मुँह लेकर रह जाना** (लज्जित होना)—जब उसकी चोरी पकड़ी गई तो वह अपना-सा मुँह लेकर रह गया।
12. **अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना** (अपनी बड़ाई आप ही करना)—कोई तुम्हारी तारीफ करे तो समझ में आता है, पर अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनने से क्या फायदा।
13. **आँख उठाकर न देखना** (तिरस्कार करना)—सिद्धार्थ ने उसके निकट आने पर भी उसे आँख उठाकर नहीं देखा।
14. **आँख का काँटा** (शत्रु बनना)—मित्र भी कभी आँख का काँटा बन जाता है।
15. **आँख का तारा** (बहुत प्यारा)—सभी बच्चे माता की आँखों के तारे होते हैं।
16. **आँख मारना** (इशारा देना)—उसने आँख मारी और मैं समझ गया कि यहाँ से निकलना चाहिए।
17. **आँखें फेर लेना** (प्रतिकूल होना)—सहायता की जरूरत के समय परिजनों ने आँखें फेर लीं।
18. **आँखों में धूल झोंकना** (धोखा देना)—जेबकतरे ने आँखों में धूल झोंककर जेब से सारे पैसे निकाल लिए।
19. **आँखों से गिरना** (आदर घट जाना)—रमेश अपनी हरकतों के कारण हम सब की आँखों से गिर गया है।
20. **आग-बबूला होना** (बहुत गुस्सा होना)—रमेश ने राकेश की घड़ी तोड़ दी, जिस कारण वह आग-बबूला हो गया।
21. **आग में कूदना** (जान जोखिम में डालना)—देश की रक्षा के लिए जवान हमेशा आग में कूदने के लिए तैयार रहते हैं।
22. **आसमान टूट पड़ना** (अचानक विपत्ति आना)—अमेरिका में प्रोफेसर की हत्या से उसके वृद्ध माता-पिता पर आसमान टूट पड़ा।

23. **आसमान सिर पर उठाना** (बहुत हो-हल्ला करना)—शहर में बिजली आपूर्ति की कटौती के कारण लोगों ने आसमान सिर पर उठा लिया।
24. **ईद का चाँद होना** (बहुत समय बाद दिखना)—रमेश, आजकल कहाँ रहते हो, तुम तो ईद के चाँद हो गए हो।
25. **उगल देना** (भेद खोल देना)—नक्सली नेता ने गिरफ्तारी के बाद अपनी सारी रणनीति उगल दी।
26. **उलटी गंगा बहाना** (उलटा काम करना)—अतिथि यदि आकर खर्च करने लगे तो इसे ही उलटी गंगा बहाना कहते हैं।
27. **उलटी पट्टी पढ़ाना** (बहकाना)—किसी ने राकेश को उलटी पट्टी पढ़ा दी है कि शिक्षक के डाँटने के पीछे मेरा हाथ है।
28. **ऊँट का सूई के छेद से निकलना** (असम्भव कार्य)—पढ़ाई नहीं करने वालों का प्रतियोगिता में सफल होना, ऊँट का सूई के छेद से निकलना है।
29. **एड़ी-चोटी का पसीना एक करना** (अत्यधिक परिश्रम करना)—रमाकान्त जी अपनी लड़की के लिए सुयोग्य वर की तलाश में एड़ी-चोटी का पसीना एक कर चुके हैं।
30. **ओखली में सिर देना** (अपने से जोखिम लेना)—तुम्हें उन दोनों के आपसी झगड़े में नहीं पड़ना चाहिए, अब ओखली में सिर दे चुके हो तो भुगतो।
31. **कलेजे पर साँप लोटना** (ईर्ष्या करना)—परिश्रम से धन अर्जित करने वाले को देख कलेजे पर साँप लोटने का क्या फायदा।
32. **कलेजा ठण्डा होना** (सन्तोष होना)—पड़ोसी एक मुकदमे में जेल चला गया, तब रमेश का कलेजा ठण्डा हुआ।
33. **कलेजा मुँह को आना** (दुःख होना)—ट्रक और कार की टक्कर को देखकर राकेश का कलेजा मुँह को आ गया।
34. **खरी-खोटी सुनाना** (भला-बुरा कहना)—कितनी खरी-खोटी सुनने के बाद भी सुनील की आदत सुधरती ही नहीं।
35. **खेत आना** (वीरगति पाना)—कई लड़ाइयों में मराठा सैनिकों की बड़ी संख्या खेत आई, जिस कारण मराठों को पराजित होना पड़ा।
36. **खून-पसीना एक करना** (कठिन परिश्रम)—पिता ने खून-पसीना एक कर बेटे को पढ़ाया, पर बेटे ने बूढ़े पिता को घर से निकाल दिया।
37. **खाक छानना** (भटकना)—नौकरी की खोज में मोहन आज-कल खाक छान रहा है।
38. **खेल खेलना** (परेशान करना)—उसने मेरी कलम ले ली और खोज देने के लिए शर्तें लगाकर खेल खेलता है।
39. **गड़े मुर्दे उखाड़ना** (दबी बात को फिर से उभारना)—जो कुछ हुआ उसे भूल जाओ, गड़े मुर्दे उखाड़ने का क्या फायदा।
40. **गाँठ का पूरा** (मालदार)—धूर्त लोगों को अक्ल के अन्धे तथा गाँठ के पूरे दोस्त बहुत अच्छे लगते हैं।
41. **गाँठ में बाँधना** (खूब याद रखना)—यह बात गाँठ में बाँध लो कि रोज व्यायाम करना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है।
42. **घोड़े बेचकर सोना** (बेफिक्र होना)—बेटी के विवाह के बाद प्रत्येक पिता घोड़े बेचकर सोता है।
43. **घड़ों पानी पड़ जाना** (अत्यन्त लज्जित होना)—हमेशा कक्षा में प्रथम आने वाले रोहित को इस बार प्रधानाध्यापक ने परीक्षा में चोरी करते पकड़ा तो उसके ऊपर घड़ों पानी पड़ गया।
44. **घी के दीये जलाना** (अप्रत्याशित लाभ पर प्रसन्नता)—भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाए।
45. **चुल्लू भर पानी में डूब मरना** (शर्मिन्दा होना)—कुकर्म करने वालों को तो चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।
46. **चैन की बंशी बजाना** (आनन्दपूर्वक जीवन बिताना)—नौकरी मिलने के बाद वह चैन की बंशी बजा रहा है।
47. **छक्के छुड़ाना** (परास्त करना)—बांग्लादेश ने विश्वकप क्रिकेट के पहले ही मैच में भारत के छक्के छुड़ा दिए।
48. **छठी का दूध याद आना** (कठिनाई अनुभव होना)—मैंने उसे इतना पीटा कि उसे छठी का दूध याद आ गया होगा।
49. **जमीन-आसमान एक करना** (बड़े-बड़े उपाय करना)— चुनाव में सफलता के लिए नेतागण जमीन-आसमान एक कर रहे हैं।
50. **जहर का घूँट पीना** (क्रोध को दबा लेना)—उसके दुर्व्यवहार से मुझे बहुत गुस्सा आया, लेकिन परिस्थिति को देखते हुए मैंने जहर का घूँट पी लिया।
51. **टाँग अड़ाना** (दखल देना)—हर जगह बेमतलब टाँग अड़ाना मूर्खों का काम है।
52. **टाँय-टाँय फिस्स होना** (असफल होना)—उसने योजना तो सोच-समझ कर बनाई, पर सब टाँय-टाँय फिस्स हो गया।
53. **टेढ़ी खीर होना** (कठिन काम)—रमेश को सही रास्ते पर लाना टेढ़ी खीर है।
54. **डूबते को तिनके का सहारा** (असहाय को थोड़ी राहत)—रामू ने मोहन को कठिन समय में कुछ धन उपलब्ध कराया, बेचारे को राहत मिली, मानो डूबते को तिनके का सहारा मिल गया।
55. **तख्ता पलटना** (सत्ता समाप्त करना)—पाकिस्तान के सैनिक प्रमुख हमेशा से तख्ता पलट कर सत्ता पर काबिज होते रहे हैं।
56. **दाँत खट्टे करना** (परास्त करना)—कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दाँत खट्टे कर दिए।
57. **धूल फाँकना** (मारा-मारा फिरना)—पढ़ाई-लिखाई छोड़कर हरीश इधर-उधर की धूल फाँकता है।
58. **नाक का बाल होना** (बहुत प्रिय होना)—अपनी चंचलता और हाजिर जवाबी के कारण वह सबकी नाक का बाल है।
59. **नौ-दो ग्यारह होना** (भाग जाना)—स्टेशन पर अपने सामान की सुरक्षा करना, नहीं तो कोई लेकर नौ-दो ग्यारह हो सकता है।
60. **बाल की खाल निकालना** (निरर्थक बहस करना)—रमेश हर बात में बाल की खाल निकालने लगता है, जिस कारण उसे लोग पसन्द नहीं करते।
61. **मैदान मारना** (जीत जाना)—कल के क्रिकेट मैच में सर्वोदय विद्यालय ने मैदान मार लिया।
62. **रँगे हाथों पकड़ना** (अपराध के समय पकड़ना)—पुलिस ने शहर में गश्ती के दौरान लुटेरों को रँगे हाथों पकड़ा।
63. **सब्ज बाग दिखाना** (झूठी आशा देना)—इण्टरनेट पर धन को दोगुना करने का सब्ज बाग दिखा कर ठगी का धन्धा तेजी से चल रहा है।
64. **हथियार डाल देना** (हार मान लेना)—अहमदशाह अब्दाली के विरुद्ध मराठों ने रसद की आपूर्ति बन्द होने के कारण हथियार डाल दिए।
65. **होश उड़ना** (आशंका से व्याकुल)—अचानक दरवाजे पर पुलिस देखकर रामू के होश उड़ गए।
66. **होश ठिकाने होना** (भ्रान्ति दूर होना)—बच्चा! बहुत चहक रहा था, आज परीक्षा परिणाम आने पर होश ठिकाने लग गए हैं।

✓ अभ्यास के लिए प्रश्न

1. 'लोहे के चने चबाना' मुहावरे का अर्थ है
(a) भूख लगना
(b) कठिन संघर्ष में फँसना
(c) युद्ध करना
(d) चने भूनना

2. 'कान पर जूँ न रेंगना' मुहावरे का अर्थ है
(a) माथे में जूँ होना
(b) बात को अनसुना करना
(c) कान में कीड़े होना
(d) बिल्कुल भी नहीं सुनना

3. 'बीड़ा उठाना' मुहावरे का अर्थ है
(a) पान लगाना
(b) किसी काम का भार लेना
(c) मरने को तैयार होना
(d) बेकार काम करना

4. 'कान भरना' मुहावरे का अर्थ है
(a) बहकाना
(b) बहकावे में आना
(c) बहक जाना
(d) कान में तेल डालना

5. 'हजामत बनाना' मुहावरे का अर्थ है
(a) आर्थिक तंगी होना
(b) बेवकूफ बनाना
(c) उपहास करना
(d) नरमी से काम करना

6. 'हौसला पस्त होना' मुहावरे का अर्थ है
(a) उत्साह न रह जाना
(b) इच्छा पूर्ण होना
(c) भय का कारण
(d) खाली बैठे रहना

7. 'हाँ में हाँ मिलाना' मुहावरे का अर्थ है
(a) खुशामद करना
(b) हार मान लेना
(c) बुद्धि ठीक होना
(d) तेज चलना

8. 'सिर पर सवार होना' मुहावरे का अर्थ है
(a) पीछे पड़ना (b) शोक करना
(c) प्रतिवाद करना (d) चकित होना

9. 'मुँह की खाना' मुहावरे का अर्थ है
(a) बुरी तरह हारना (b) मुँह से खाना
(c) तंग करना (d) विरोध करना

10. 'मुट्ठी गर्म करना' मुहावरे का अर्थ है
(a) आग तापना (b) घूस देना
(c) मुक्का लगाना (d) धाक जमाना

11. 'पहाड़ टूट पड़ना' मुहावरे का अर्थ है
(a) भारी विपत्ति आना
(b) खूब लाभ कमाना
(c) इज्जत बचाना
(d) तूफान आना

12. 'बाँसों उछलना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) नीचे से उछलकर ऊपर चढ़ना
(b) प्रसन्न होना
(c) कलाबाजी करना
(d) पागल होना

13. 'फूँक-फूँक कर पैर रखना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) धीरे-धीरे चलना
(b) डर कर काम करना
(c) सोच-विचार कर काम करना
(d) परेशान रहना

14. 'नाक रगड़ना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) नाक में चोट लगना
(b) बहुत खुशामद करना
(c) इज्जत देना
(d) उपरोक्त सभी

15. 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) धूर्तता करना
(b) अपना काम निकालना
(c) गाली देना
(d) उल्लू पकड़ना

16. 'गाल बजाना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) बाजा बजाना (b) चपत जमाना
(c) डींग हाँकना (d) डफली बजाना

17. 'आसन डोलना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) चंचल होना
(b) भूकम्प आना
(c) बिस्तर बदलना
(d) एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवर्तन

18. 'लल्लो-चप्पो करना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) बातें बनाना
(b) डींग मारना
(c) खुशामद करना
(d) शिकायत करना

19. 'घड़ों पानी पड़ जाना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) स्नान करना
(b) परेशान होना
(c) अत्यन्त लज्जित होना
(d) सिर पर पानी डालना

20. 'पुरानी प्रथा पर चलना' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) लोहा लेना
(b) हाथ के तोते उड़ाना
(c) लकीर का फकीर होना
(d) दो कौड़ी का आदमी

21. 'स्वार्थी होना' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) अपने पैरों पर खड़ा होना
(b) अपनी खिचड़ी अलग पकाना
(c) उल्टी गंगा बहाना
(d) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू होना

22. 'बुद्धि भ्रमित होना' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) चक्कर में पड़ना
(b) अक्ल पर पत्थर पड़ना
(c) धोखा खाना
(d) उल्लू बनना

23. 'एक मात्र सहारा' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) आँखों का तारा
(b) नाक का बाल होना
(c) अन्धे की लाठी होना
(d) आँखें बिछाना

24. 'धोखा देना' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) जी का जंजाल (b) चूना लगाना
(c) जहर उगलना (d) चाँदी काटना

25. 'खूब लाभ होना' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) नौ-दो ग्यारह होना
(b) तीन तेरह करना
(c) पौ बारह होना
(d) दो नावों की सवारी करना

26. 'ठीकरा फोड़ना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) प्रेम में फँसाना (b) दोष लगाना
(c) संकट पैदा करना (d) सबक सिखाना

27. 'समूल नष्ट करना' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) जड़ खोदना
(b) जी का जंजाल होना
(c) चिराग तले अँधेरा
(d) जी चुराना

28. 'मुट्ठी में करना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) घूस देना (b) वश में करना
(c) लड़ाई जीतना (d) बुरी तरह हराना

29. 'बरस पड़ना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) अत्यधिक क्रोधित होना
(b) वर्षा का होना
(c) प्रेम करना
(d) सम्मान देना

30. 'कान काटना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(a) झगड़ना
(b) प्रेम करना
(c) मात देना
(d) शिकायत देना

31. 'कलेजा मुँह को आना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(a) दुःख होना
(b) किसी काम में फँसना
(c) क्रुद्ध होना
(d) व्यथा से बेचैन होना

32. 'काँटा दूर होना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(a) सहयोग मिलना
(b) बाधा उत्पन्न होना
(c) बाधा दूर होना
(d) काँटा चुभना

33. 'घुटने टेक देना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(a) आत्म समर्पण करना
(b) घुटनों के बल बैठना
(c) गिड़गिड़ाना
(d) घुटने का टूटना

34. 'घोड़े बेचकर सोना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(a) आलस्य करना (b) निश्चिन्त होना
(c) घोड़ा बेच देना (d) परिश्रम करना

35. 'छाती पर साँप लोटना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) डर जाना
(b) ईर्ष्या होना
(c) दुःखी होना
(d) छाती में दर्द होना

36. 'तीन तेरह करना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) खूब कमाना
(b) ठीक से गिनती नहीं करना
(c) बिखेर कर रख देना
(d) विश्राम करना

37. 'जान बूझकर मुसीबत में पड़ना' किस मुहावरे का सही अर्थ है?
(a) आग में कूदना
(b) आग में घी डालना
(c) आसमान पर चढ़ा देना
(d) आस्तीन का साँप होना

38. 'जी नहीं भरना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) प्रसन्न न होना
(b) निराश न होना
(c) सन्तोष न होना
(d) विश्वास न होना

✓ विगत वर्षों के प्रश्न

निर्देश (प्र.सं. 1-8) *दिए गए मुहावरों के अर्थ बताने के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक के लिए उपयुक्त अर्थ वाला विकल्प चुनिए।*

39. पानी पी-पीकर कोसना **[SSC कांस्टेबल, 2015]**
(a) स्वार्थ की बात करना
(b) पानी पीकर अमंगल चाहना
(c) हर घड़ी दूसरे का अमंगल चाहना
(d) हँसी उड़ाना

40. घाट-घाट का पानी पीना **[SSC कांस्टेबल, 2013]**
(a) अलग-अलग परिस्थितियों का अनुभव होना
(b) विरोध करना
(c) कई स्थानों के पानी की जाँच करना
(d) समझदारी से कार्य करना

41. चैन की वंशी बजाना **[SSC कांस्टेबल, 2012]**
(a) प्रसन्न करना (b) दुःख दूर करना
(c) मौज लेना (d) लापरवाह हो जाना

42. हृदय सम्राट **[SSC कांस्टेबल, 2012]**
(a) मनमौजी व्यक्ति
(b) शक्तिशाली व्यक्ति
(c) उदार हृदय वाला व्यक्ति
(d) अत्यन्त प्रिय

43. कान का कच्चा **[SSC कांस्टेबल, 2012]**
(a) झूठा व्यक्ति
(b) जो सुने हुए शब्द का गलत अर्थ लगाता हो
(c) शीघ्र विश्वासी
(d) जो कम सुनता हो

44. आस्तीन के साँप **[SSC कांस्टेबल, 2012]**
(a) कपटी मित्र
(b) कुटिल स्वभाव का व्यक्ति
(c) निकट ही रहने वाला शत्रु
(d) मुसीबत

45. घी के दीए जलाना **[SSC कांस्टेबल, 2011]**
(a) रोशनी करना (b) पूजा करना
(c) खुशी मनाना (d) धनवान होना

46. सिर चढ़ाना **[SSC कांस्टेबल, 2011]**
(a) बहुत आदर करना
(b) बहुत आजादी देना
(c) पुष्प चढ़ाना
(d) चिन्ता करना

उत्तरमाला

1.	(b)	**2.**	(b)	**3.**	(b)	**4.**	(a)	**5.**	(b)	**6.**	(a)	**7.**	(a)	**8.**	(a)	**9.**	(a)	**10.**	(b)
11.	(a)	**12.**	(b)	**13.**	(c)	**14.**	(b)	**15.**	(b)	**16.**	(c)	**17.**	(d)	**18.**	(c)	**19.**	(c)	**20.**	(c)
21.	(b)	**22.**	(b)	**23.**	(c)	**24.**	(b)	**25.**	(c)	**26.**	(b)	**27.**	(a)	**28.**	(b)	**29.**	(a)	**30.**	(c)
31.	(d)	**32.**	(c)	**33.**	(a)	**34.**	(b)	**35.**	(b)	**36.**	(c)	**37.**	(a)	**38.**	(c)	**39.**	(c)	**40.**	(a)
41.	(c)	**42.**	(a)	**43.**	(c)	**44.**	(d)	**45.**	(c)	**46.**	(a)								